>

Title : Regarding reported derogatory remarks made against MPs by some Civil Society members.

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): उपाध्यक्ष जी, सुबह से हमारे सांसद जो उद्वेलित थे, वह एक बहुत ही गंभीर मसला है। लोकतंत्र भारत की आत्मा है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और सबसे पुराना लोकतंत्र भी है।...(व्यवधान) हमने केवल आजादी के बाद लोकतंत्र नहीं अपनाया, पंचायत के माध्यम से हमारी जड़ों तक यह लोकतंत्र फैला हुआ है।...(व्यवधान) लेकिन कुछ लोग लोकतंत्र के प्रति अनास्था फैलाने का काम कर रहे हैं। जो लोकतंत्र के प्रति अनास्था फैलाता है, वह अप्रत्यक्ष रूप से तानाशाही को निमंत्रण देता है।...(व्यवधान) जब आप प्रजातंत्र की बात करते हैं, तो संसद और विधान सभाओं के बिना प्रजातंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती।...(व्यवधान) संसद प्रजातंत्र का अभिन्न अंग है। संसद के सदस्य संसद का अटूट हिस्सा हैं। लेकिन अमर्यादित भाषा का प्रयोग करके, ऐसी भाषा जिसे यहां दोहराया भी नहीं जा सकता, सारे के सारे सांसदों को * अपशब्द कहकर मंचों से अपमानित किया जाता है। हमारे शरद भाई का भाषण चलाकर मजाक और उपहास उड़ाया जाता है।...(व्यवधान) उपाध्यक्ष जी, मैं पूछना चाहती हूं कि अन्ना टीम के लोग इतने भटक गए हैं कि एक तरफ इसी संसद से वे लोकपाल बिल पारित करवाना चाहते हैं और दूसरी तरफ इसी संसद के सदस्यों को अपमानित करते हैं, अपशब्द बोलते हैं।...(व्यवधान) आपको याद होगा, अगर संसद में * ऐसे लोग हैं तो इसी संसद को अन्ना जी ने अपनी तीन मांगें भेजकर प्रस्ताव पारित करने की गुहार क्यों की।...(व्यवधान) हम लोगों ने आगे बढ़कर उन तीनों मांगों का समर्थन किया। जिनका कल मजाक उड़ा रहे थे, जब अन्ना हजारे जंतर-मंतर पर बैठे थे, वहां सबसे पहले जाने वाले राजनेता शरद यादव जी थे।...(व्यवधान) यहां संसद में खड़े होकर हमने उनके आंदोलन का पूरा समर्थन किया।...(व्यवधान) उसके बाद जब उन्हें गिरफ्तार किया गया, हमने उसका प्रतिरोध किया।...(व्यवधान) जो तीन मांगें उन्होंने रखीं, आगे बढ़कर उनका समर्थन किया। जब लोकपाल बिल यहां आया, सरकार मजबूत लोकपाल नहीं लाई थी, उसके लिए सरकार की निन्दा की।...(व्यवधान) मजबूत लोकपाल चाहिए, उसके लिए पैरवी की। अपना अमैंडमैंट तक दिया, संशोधन तक दिया। लेकिन उस समय आकर गुहार लगाते हैं और आज मंच से खड़े होकर उपहास करते हैं, अपमानित करते हैं, अप-शब्दों का प्रयोग करते हैं।...(व्यवधान)

मैं कहना चाहती हूं कि सब लोगों को अपनी-अपनी मर्यादा में रहना चाहिए। प्रजातंत्र व्यक्ति की बात नहीं होती, संस्थाओं की बात है। अगर ये संस्थाएं टूट जाएंगी तो प्रजातंत्र नहीं बचेगा।...(व्यवधान) इसलिए मैं कहना चाहती हूं कि इस तरह की बात की पूरी संसद निन्दा करती है।...(व्यवधान)

श्री शरद यादव (मधेपुरा): उपाध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूं कि सुषमा जी ने जो कहा, कल सारे लोकतंत्र पर हमला किया गया। 167 लोगों को कहा गया कि वे *ऐसे लोग हैं।...(व्यवधान) [r3] इस पार्लियामैंट के भाषणों को काट-काट कर दिखाने का काम किया गया। ...(व्यवधान) सुषमा जी यहां ठीक कह रही हैं कि जिस दिन अन्ना हजारे जी गिरफ्तार हुए, उस दिन हम सब लोगों ने उनको यहां बचाने का काम किया। ...(व्यवधान) उनकी गिरफ्तारी को कंडैम करने का काम किया। ...(व्यवधान) उन्होंने कल कोई पार्टी नहीं छोड़ी।...(व्यवधान) इधर से लेकर उधर तक शायद ही कोई हो जिसपर हमला न किया हो। ...(व्यवधान) हम इस सदन में 30 वर्षों से हैं। हमने कई आंदोलन किये हैं। ...(व्यवधान) भ्रष्टाचार के खिलाफ ये क्या लड़ेंगे, हम जिंदगी भर लड़े हैं। ...(व्यवधान) हम जिंदगी भर जेल मे रहे हैं। ...(व्यवधान) हम साढ़े चार साल जेल में रहे। ...(व्यवधान) हिन्दुस्तान की लोक सभा से हमने तीन बार इस्तीफा दिया है। ...(व्यवधान) ये लोग जो वहां बैठे हुए थे, मैं अन्ना हजारे जी से कहना चाहता हूं कि वे बैठे रहें, लेकिन आंदोलन का कोई अनुशासन होना चाहिए। ...(व्यवधान) उनके सामने जो बेदाग लोग हैं, जिन लोगों ने इस देश के लिए अपना पूरा जीवन दिया, उनके ऊपर उन्होंने अटैक करने का काम किया। ...(व्यवधान) सब लोगों के भाषणों को एक मंच से दिखा रहे हैं। ...(व्यवधान) मैंने अन्ना हजारे जी के हक में जो बोला, वे उसे नहीं दिखा रहे हैं। ...(व्यवधान) हमें अप-शब्द बोल रहे हैं। ...(व्यवधान) कौन रक्षा करेगा, कौन प्रोटैक्ट करेगा? ...(व्यवधान) पार्लियामैंट को कौन बचायेगा, कौन इसकी रक्षा करेगा? आप नहीं करेंगे, तो कौन रक्षा करेगा? ...(व्यवधान) पूरा लोकतंत्र, चाहे हाउस का कोई भी आदमी हो, सबको उन्होंने कंडैम करने का काम किया। ...(व्यवधान) वे लोकतंत्र के खिलाफ काम कर रहे हैं। ...(व्यवधान) इस देश में भ्रष्टाचार के आरोप में 27 लोग बंद थे। ...(व्यवधान) ये एक आदमी बंद करवाएं ...(व्यवधान) इस सदन ने 27 लोगों को जेल में पहुंचाने का काम किया। ...(व्यवधान) वे हमारे साथी थे, उन्हें जेल में पहुंचाने का काम किया। ...(व्यवधान) यह किसने किया है? ...(व्यवधान) यह इस सदन ने किया है। ...(व्यवधान) इसे सुषमा स्वराज जी ने किया है, बसुदेव आचार्य जी ने किया है, मुलायम सिंह जी ने किया है। ...(व्यवधान) आप सब लोगों ने बोलने का काम किया, लड़ने का काम किया। ...(व्यवधान) भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे ज्यादा लोक सभा लड़ी है। ...(व्यवधान) 2जी स्कैम को किसने उठाया? हम लोगों ने उठाया। ...(व्यवधान) 2 जी स्कैम में 27 लोगों को किसने गिरफ्तार करवाया? हम लोगों ने गिरफ्तार करवाया। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : शरद जी, अब आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव (मधेपुरा): ये लोग जिस दिन से बैठे हैं, क्या उस दिन से कोई चूहा भी जेल गया? ...(व्यवधान) हम लोगों ने 30 वर्षों में कितने लोगों को अंदर कराने का काम किया। ...(व्यवधान) इस देश में हमने गरीबों की लड़ाई, मजदूरों की लड़ाई, किसानों की लड़ाई लड़ी। ...(व्यवधान) हमारे दोनों पैर टूटे हुए हैं। ...(व्यवधान) ये पार्लियामैंट के बाहर सारे लोकतंत्र को गाली दे रहे हैं। ...(व्यवधान) सारे लोकतंत्र को घेरने का काम कर रहे हैं। ...(व्यवधान)

तेलंगाना वाले भाइयो, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि पूरी पार्लियामैंट पर हमला हुआ है।..(व्यवधान) आप उस बारे में सोचने का काम कीजिए। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय, यह आपका काम है। ...(व्यवधान) आप एक रेजोल्यूशन पास करवाइये। ...(व्यवधान) ऐसे सदन नहीं चलेगा। आप रेजोल्यूशन पास करवाइये। ...(व्यवधान) यह सारी परिभाषा मर्यादाविहीन है। हमने कभी मर्यादा नहीं तोड़ी। ...(व्यवधान) सब लोगों को बैठकर ...(व्यवधान) मुझे अफसोस है कि वहां अन्ना हजारे जी बैठे थे। उन्हें रोकना चाहिए था, लेकिन उन्होंने नहीं रोका। ...(व्यवधान) हर आदमी पर हमला चलता रहा। ...(व्यवधान) जो उनके हक मे बोले हैं, मैं उनके हक मे बोला, उनके हक में खड़ा हुआ, लेकिन उनकी सब बातें नहीं मान सकता। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपकी बात पूरी हो गयी।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : मेरी बात से, जो उनके बीच रख रहा था, कोई फर्क नहीं है। जो तीन रेजोल्यूशन पास हुए थे, उनके बारे में मैंने कहा कि इनमें कोई बदलाव नहीं होगा। ...(व्यवधान) बाकी पार्लियामैंट ...(व्यवधान) इसलिए उपाध्यक्ष जी, यह नहीं हो सकता। यह संभव नहीं है। ...(व्यवधान) आप कोई न कोई फैसला कीजिए।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपकी बात पूरी हो गयी, इसलिए आप बैठ जाइये। श्री संजय निरुपम।

â€¦(व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य (बांकुरा): उपाध्यक्ष महोदय, हमें भी इस विषय पर बोलना है। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : हमने संजय निरुपम जी को बोलने के लिए बुलाया है। उनके बाद हम आपको बोलने के लिए बुलायेंगे।

â€¦(व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य : आप पहले हमें बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : अभी यहां संबंधित मंत्री नहीं हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री संजय निरुपम (मुम्बई उत्तर): उपाध्यक्ष जी, मैं आपका बहुत आभारी हूं कि आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया। सुषमा जी और शरद यादव जी ने जो विषय सदन में प्रस्तुत किया, वह निश्चित तौर पर चिन्ताजनक बात है। ...(व्यवधान) ये लोग अपने आपको सिविल सोसायटी कहते हैं और सिविल सोसायटी के लोग सबसे ज्यादा अनसिविलाइज्ड लेंग्वेज का इस्तेमाल कर रहे हैं। ...(व्यवधान) ऐसी भाषा तो हम लोगों ने भी कभी इस्तेमाल नहीं की है। ...(व्यवधान) मैं सुषमा जी को बधाई दूंगा ...(व्यवधान) सुषमा जी ने जो एक नसीहत दी है कि सभी को अपनी-अपनी मर्यादा में रहकर बात करनी चाहिए। ...(व्यवधान)[r4] जनतंत्र में सबको अपनी बात कहने का हक है, लेकिन क्या कहना है, कहां कहना है, कैसे कहना है, यह जानना बहुत जरूरी है और मुझे ऐसा दिख रहा है कि अन्ना जी के आंदोलन से जुड़े लोगों में इस बात का एहसास नहीं है। प्रारंभिक तौर पर ऐसा लगा था कि यह पूरा आंदोलन भ्रष्टाचार के खिलाफ शुरू हुआ है और इस आंदोलन में देश के आदमी भी शामिल हुए इससे इन्कार नहीं कर सकता मैं। तमाम राजनीतिक पार्टियों के लोग इस आंदोलन में अपने आप को शामिल करने के लिए कूद पड़े, लेकिन अब धीरे-धीरे समझ में आ रहा है कि यह आंदोलन भ्रष्टाचार के खिलाफ नहीं, यह आंदोलन जनतंत्र के खिलाफ है, यह आंदोलन संसद के खिलाफ है, यह आंदोलन राजनीतिक जमात के खिलाफ है और जो लोग इस आंदोलन में शामिल हुए, वे कौन लोग हैं, इसकी छानबीन होनी चाहिए, क्योंकि हिन्दुस्तान तमाम तकलीफों के बावजूद, तमाम चुनौतियों के बावजूद एक तेजी से तरक्की करने वाला देश है। इस समय पूरी दुनिया में हमारी सबसे अच्छी विकास दर है, तो पूरी दुनिया के लोगों को हमसे जलन हो रही है, तो कहीं हमारी पूरी व्यवस्था को खराब करने के लिए, सरकार को बदनाम करने के लिए और राजनीतिक व्यवस्था को डिस्टर्ब करने के लिए जानबूझकर विदेशी ताकतें यह सब नहीं करा रही हैं? इसलिए जो तथाकथित एनजीओ के लोग इसमें शामिल उन एनजीओ की कौन फण्डिंग कर रहा है? उन एनजीओज को कौन पैसे दे रहा है, इस बात की छानबीन होनी चाहिए, यह निश्चित तौर पर देश हित नहीं हो रहा है। कहीं न कहीं बाहरी ताकतों के इशारे पर देश की व्यवस्था को बर्बाद करने के लिए, देश की व्यवस्था को तबाह करने के लिए एक आंदोलन चल रहा है। इस आंदोलन की मैं निन्दा करता हूं और मैं चाहूंगा कि तमाम पोलिटिकल पार्टीज के लोग एक साथ बैठें और लोकपाल के संदर्भ में एक राय बनाएं। और...(व्यवधान) लेकर आएं, ताकि हमेशा...(व्यवधान) दाग लगाने वाले लोगों की जुबान बंद हो जाए।...(व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य : कल जंतर-मंतर में अन्ना हजारे और उनके साथियों ने जिस भाषा का व्यवहार किया है, वह अत्यंत निंदनीय है। यह किसी एक संसद सदस्य के खिलाफ नहीं, एक संसद सदस्य की मर्यादा का सवाल नहीं है, हमारे सदन की मर्यादा का सवाल है। ...(व्यवधान) यह लोकपाल आज नहीं, ये लोग आज मांग कर रहे हैं और हम लोग पिछले तीस साल से लोकपाल की मांग करते आ रहे हैं। हम लोग चाहते हैं भ्रष्टाचार के खिलाफ साझा गठजोड़ काम करे। उनसे पहले ही हम मांग कर रहे थे।...(व्यवधान) उन्होंने जब आंदोलन शुरू किया, हम लोगों ने उसका समर्थन किया था। जब उनकी गिरफ्तारी की, हम तमाम लोग, विरोधी पक्ष के लोगों ने इसकी निन्दा की और सरकार के खिलाफ आवाज उठाई, सदन में खड़े होकर मांग किया कि उनको तत्काल रिहाई देनी चाहिए।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : अब आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : अब बैठ जाइए। अब आपकी बात रिकॉर्ड में नहीं जा रही है।

...(व्यवधान) *

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): उपाध्यक्ष जी, जैसा अभी प्रतिपक्ष की नेता आदरणीय सुषमा स्वराज जी ने अपनी बात कही है और आदरणीय शरद यादव जी ने अपनी बात कही है, उस पर मैं बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। अभी कुछ दिन पहले अन्ना हजारे के तमाम समर्थक, उनके सदस्य, मैं किसी का नाम नहीं लेना चाहूंगा क्योंकि से वे ज्यादा प्रचारित होंगे, उन लोगों ने संसद के ऊपर, संविधान के ऊपर जो एक तरीके से अटैक किया, वह बहुत ही निंदनीय और भर्त्सना करने योग्य है। उन्होंने यह कहा कि सदन के अंदर â€¦ * ऐसे लोगों पर आपको ध्यान रखना होगा और आज उनकी जो तमाम सिविल सोसाइटी है, उसकी भी जांच होनी चाहिए। इसी सदन में काले धन को लेकर, भ्रष्टाचार को लेकर हम लोगों ने हमेशा विरोध किया है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : अब आप लोग बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप लोग अपनी-अपनी सीट पर जाइए। अब बजट पर चर्चा होगी। कृपया बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : वह चाहे टू-जी स्पेक्ट्रम मामला रहा हो, कोयला घोटाला रहा हो, चाहे अभी सेना घोटाला रहा हो, समाजवादी पार्टी ने भ्रष्टाचार और घोटाले का हमेशा विरोध किया है।...(व्यवधान)

इसी सदन ने ...(व्यवधान) किया है। यहां के 13-13 सदस्यों की सदस्यता गई है और यह एक तरीके से हम लोगों ने प्रस्तुत किया है आदर्श।...(व्यवधान)[r5] हम चाहेंगे कि ऐसे लोगों को चिन्हित करके उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। ये लोग कहां के लोग हैं, उसकी जांच होनी चाहिए। मैं दूसरी बात यह कहना चाहूंगा कि लोकतंत्र, प्रजातंत्र की प्रतीक यह संसद जो अपने देश का बहुत बड़ा संवैधानिक मंदिर है, उसकी रक्षा के लिए हम लोगों को आगे आना चाहिए।

इन्हीं बातों के साथ मैं जो तमाम नेताओं ने इस बात को लेकर यहां चिंता प्रकट की है, उनकी बातों से अपने को सम्बद्ध करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं। ...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House stands adjourned to meet tomorrow, the 27th March, 2012 at 11.00 a.m.

14.15 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Tuesday, March 27, 2012/Chaitra 7, 1934 (Saka). [r6]

---

* Not recorded.

* Speech was laid on the table.

* Speech was laid on the table.

* Speech was laid on the table.

* Speech was laid on the table

* Speech was laid on the Table.

* Speech was laid on the table.

* Speech was laid on the table.

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the table.

* Speech was laid on the Table.

* Speech was laid on the table

* Speech was laid on the table

* Speech was laid on the Table.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

Fd by c1 [S1]

The house adjourned till 1400 hours.

[r3]Cd by e

[r4] Cd by f1

cd. by g1.h [r5]

[r6] Friday, March 10, 2000/Phalguna 20, 1921 (Saka).